Date :
Page No.

Learn and Write

समास :- दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से शब्द बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है। समास में दो पद होते हैं- पहला पद पूर्व और दूसरा पद उत्तर पद कहलाता है।

समस्त पद = समास से बने पद को 'समस्त पद' कहते हैं।

समास विग्रह - 'समस्त पद' के अंगों को अलग करने की प्रक्रिया को 'समास-विग्रह' कहते हैं।

समास के छह भेद किए गए हैं -

(1) अव्ययीभाव समास :- जिस समस्तपद का पहला पद प्रधान और अव्यय हो तथा समस्तपद क्रिया-विशेषण का कार्य करे, वहाँ अव्ययीभाव समास होता है। जैसे -

समस्तपद	विग्रह
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
आजन्म	जन्म से लेकर
रातोंरात	रात ही रात में
आमरण	मरण तक
प्रतिवर्ष	हर वर्ष

(2) तत्पुरुष समास :- जिस समास का पहला पद गौण और दूसरा पद प्रधान होता है। और जहाँ दो पदों के मध्य विभक्ति-चिह्नों का लोप होता है, वहाँ तत्पुरुष समास होता है। कारक के भेदों के अनुसार तत्पुरुष समास के छह उपभेद होते हैं।

Date :
Page No. :

तत्पुरुष समास के उदाहरण जैसे —

सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह
राजकुमार	राजा का कुमार
घुड़सवार	घोड़े पर सवार

(3) द्विगु समास :- जिस समस्तपद का पहला पद संख्यावाची हो, उसे द्विगु समास कहते हैं।

समस्त पद	विग्रह
तिरंगा	तीन रंगों का समाहार
चौराहा	चार राहों का समाहार

(4) द्वंद्व समास :- जिस समस्तपद के दोनों के पद प्रधान हों, वहाँ द्वंद्व समास कहते हैं।

भाई-बहन -	भाई और बहन
रात-दिन	रात और दिन

(5) कर्मधारय समास :- जहाँ समस्तपद के दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध होता है, वहाँ कर्मधारय समास होता है।

नीलकमल	नीला कमल
महाराज	महान राजा
चंद्रमुख	चंद्रमा के समान मुख
कनकलता	कनक के समान लता

(6) बहुव्रीहि :- जहाँ समस्तपद किसी अन्य अर्थ का द्योतक हो, वहाँ बहुव्रीहि समास होता है।

पीतांबर - पीले अंबर (वस्त्र) हैं जिसके अर्थात् कृष्ण
लंबोदर - लंबा उदर है जिसका अर्थात् गणेश
गजानन - गज है आनन जिसका अर्थात् गणेश
त्रिनेत्र - तीन नेत्र हैं जिसके अर्थात् शिव